प्रेस हेतु सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति सं.49/2023)

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

नई दिल्ली, 31 **मई**, **2023**

तुरंत जारी करने हेतु

वेबसाइटः **www.trai.gov.in**

"31 दिसम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही के लिए
"भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट"

आज भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने **31** दिसम्बर, **2022** को समाप्त तिमाही के लिए "भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट" जारी की है। यह रिपोर्ट दूरसंचार सेवाओं का एक व्यापक परिदृश्य उपलब्ध कराती है तथा **1 अक्तूबर, 2022 से 31 दिसम्बर, 2022** की अवधि के लिए भारत में दूरसंचार सेवाओं के साथ-साथ केबल टेलीविजन, डीटीएच तथा रेडियो प्रसारण सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण मानदण्ड तथा विकास के रूझानों को प्रस्तुत करती है। इसे सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर संकलित किया गया है।

उक्त रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश यहाँ संलग्न है। संपूर्ण रिपोर्ट भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण की वेबसाईट **www.trai.gov.in** पर उपलब्ध है। इस रिपोर्ट से संबंधित किसी भी सुझाव या स्पष्टीकरण के लिए श्री कौशल किशोर (एफएण्डईए), प्रधान सलाहकार प्रभारी, भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, नई दिल्ली से दूरभाष-**011**-232**30752** एवं ई-मेल advfea1@trai.gov.in पर संपर्क किया जा सकता है।

वि. रघुनंदन

वि. रघुनन्दन)
सचिव, **भा.दू.वि.प्रा.**

भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट
अक्तूबर से दिसम्बर, 2022

कार्यकारी सारांश

1. इंटरनेट उपभोक्ताओं की कुल संख्या दिसम्बर, 2022 के अंत में बढ़कर 865.90 म लयन हो गई जो क सतम्बर, 2022 के अंत में 850.95 म लयन थी जिसमें 1.76 प्रतिशत की तिमाही वृद् ध दर दर्ज की गई। कुल 865.90 म लयन इंटरनेट उपभाक्ताओं में से वायरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 32.41 म लयन तथा वायरलेस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 833.49 म लयन है।

इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या का वतरण

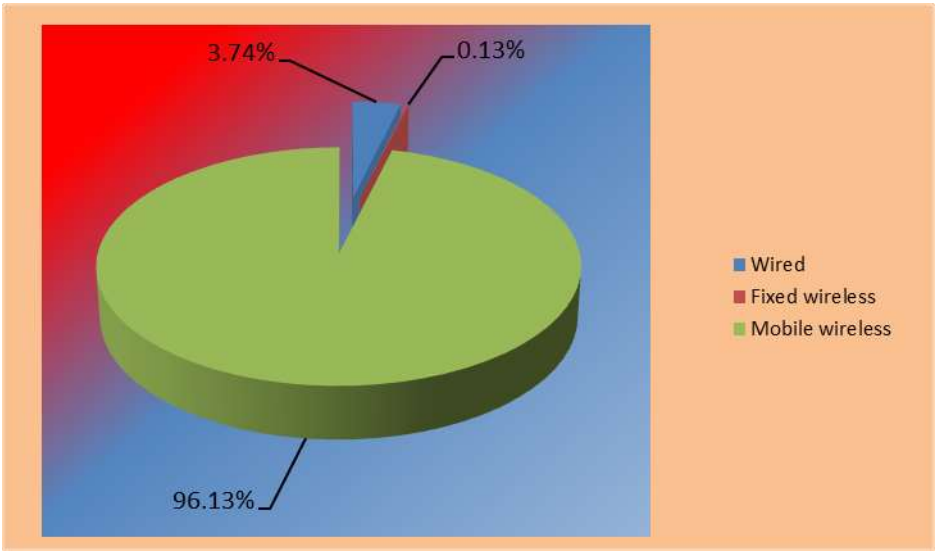

2. इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या में ब्रॉडबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 832.20 म लयन और नैरोबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 33.70 म लयन है।

3. ब्राडबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या दिसम्बर, 2022 के अंत में बढ़कर 832.20 म लयन हो गई जो क सतम्बर, 2022 के अंत में 815.93 म लयन थी जिसमें 1.99 प्रतिशत की तिमाही वृद् ध दर दर्ज की गई। नैरोबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या दिसम्बर, 2022 के अंत में घटकर 33.70 म लयन हो गई जो क सतम्बर,

2022 के अंत में 35.01 म लयन थी, जिसमें 3.76 प्रतिशत की तिमाही ह्रास दर दर्ज की गई।

4. वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या दिसम्बर, 2022 के अंत में बढ़कर 27.45 म लयन हो गयी जो क सतम्बर, 2022 के अंत में 26.47 म लयन थी जिसमें 3.72 प्रतिशत की तिमाही वृद् ध दर दर्ज की गई और दिसम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही अव ध के लए वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में वर्ष-दर-वर्ष (वाई.ओ.वाई.) 15.42 प्रतिशत की वृद् ध दर्ज की गई।

5. वायरलाइन दूरसंचार घनत्व 3.49 प्रतिशत की तिमाही वृद् ध दर के साथ दिसम्बर, 2022 के अंत में बढ़कर 1.98 प्रतिशत हो गया जो क सतम्बर, 2022 के अंत में 1.92 प्रतिशत था।

6. वायरलेस दूरसंचार सेवा के लए प्रति उपभोक्ता मा सक औसत राजस्व (एआरपीयू) 2.79 प्रतिशत तिमाही वृद् ध दर के साथ दिसम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही में बढ़कर 141.14 रुपए हो गया जो क सतम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही को 137.31 रुपए था। इसी तिमाही में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर मा सक एआरपीयू में 23.63 प्रतिशत की दर से वृद् ध हो गया।

7. वायरलेस सेवा के लए प्रतिमाह प्रीपेड एआरपीयू दिसम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही में बढ़कर 137.71 रूपए हो गया जो क सतम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही को 132.91 रूपए था हालां क इसी तिमाही के दौरान प्रतिमाह पोस्ट-पेड एआरपीयू 192.50 रुपए से घटकर 182.30 रुपए हो गया।

8. अ खल भारतीय औसत आधार पर जीएसएम सेवा के लए 2.79 प्रतिशत की वृद् ध दर के साथ समग्र उपयोग की गई मनट (एमओयू) प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह दिसम्बर,

2022 को समाप्त तिमाही के लए बढ़कर 919 मनट हो गया जो क सतम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही के लए 894 मनट था।

9. वारयलेस प्रीपेड सेवा के लए दिसम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही में एमओयू प्रति उपभोक्ता प्रति माह बढ़कर 950 मनट हो गया जो क सतम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही में 920 मनट था। पोस्ट-पेड एमओयू प्रति उपभोक्ता प्रति माह दिसम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही में घटकर 542 मनट हो गया जो क सतम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही में 567 मनट था।

10. दिसम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही के लए दूरसंरचार सेवा क्षेत्र हेतु सकल राजस्व (जीआर), प्रयोज्य सकल राजस्व (एपीजीआर) तथा समयोजित सकल राजस्व (एजीआर) क्रमशः 88,166 करोड़ रुपए, 76,627 रुपए तथा 62,904 करोड़ रुपए रहा। दिसम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही में पछली तिमाही के मुकाबले जीआर में 5.25 प्रतिशत की, एपीजीआर में 2.56 प्रतिशत की तथा एजीआर में 1.49 प्रतिशत की वृद् ध दर दर्ज की गई।

11. पछले वर्ष की इसी तिमाही में जीआर तथा एजीआर में वर्ष-दर-वर्ष (वाई.ओ.वाई.) वृद् ध दर क्रमशः 26.50 प्रतिशत तथा 14.06 प्रतिशत दर्ज की गई।

12. दिसम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही के लए पास-थ्रू-प्रभार पछले तिमाही के 13,445 करोड़ रुपए से बढ़कर 14,381 करोड़ रुपए हो गया। पास-थ्रू-प्रभार में तिमाही वृद् ध दर 6.96 प्रतिशत और वर्ष-दर-वर्ष आधार पर ह्रास दर 1.12 प्रतिशत रही।

13. दिसम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही के लए लाइसेंस शुल्क बढ़कर 5,031 करोड़ रुपए हो गया जो क सतम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही के लए 4,921 करोड़ रुपए था।

इस तिमाही के दौरान लाइसेंस शुल्क में तिमाही तथा वार्षिक वृद्धि दर क्रमशः 2.24 प्रतिशत तथा 10.79 प्रतिशत रही।

<u>समायोजित सकल राजस्व का वितरण</u>

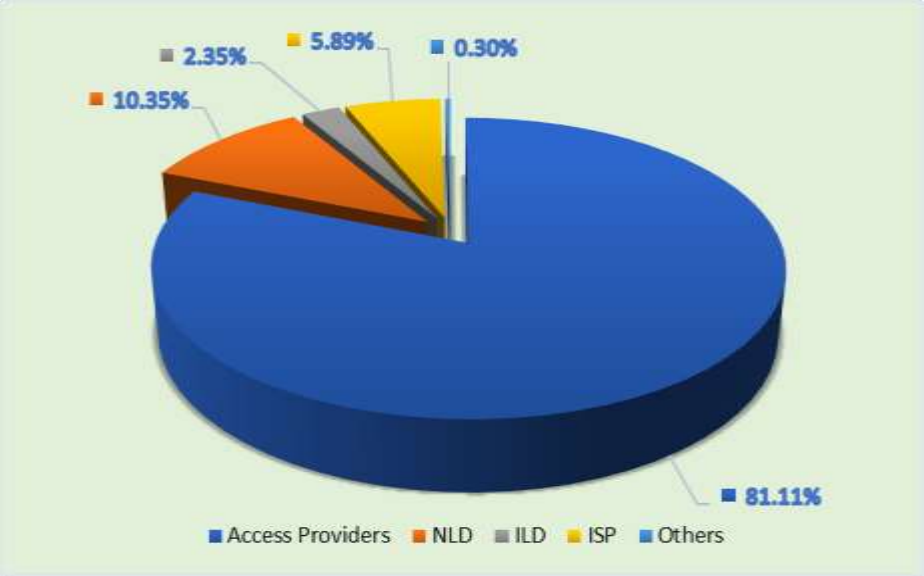

14. एक्सेस सेवाओं ने दूरसंचार सेवाओं के कुल समायोजित सकल राजस्व में 81.11 प्रतिशत का योगदान दिया। दिसम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही में एक्सेस सेवाओं में सकल राजस्व (जीआर), प्रयोज्य सकल राजस्व (एपीजीआर), समायोजित सकल राजस्व (एजीआर), लाइसेंस शुल्क, स्पेक्ट्रम उपयोग प्रभार (एसयूसी) एवं पास-थ्रू प्रभारों में क्रमशः 5.72 प्रतिशत, 1.86 प्रतिशत, 1.38 प्रतिशत, 1.38 प्रतिशत, -42.29 प्रतिशत एवं 4.78 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई।

15. देश में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या सितम्बर, 2022 के अंत में 1,171.92 मिलियन से घटकर दिसम्बर, 2022 के अंत में 1,170.38 मिलियन हो गई, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 0.13 प्रतिशत की ह्रास दर दर्ज की गई। पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में वर्ष-दर-वर्ष (वाई.ओ.वाई) आधार पर दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में 0.68 प्रतिशत ह्रास दर दर्ज की गई। देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 30 सितम्बर, 2022 को 84.86 प्रतिशत से घटकर 31 दिसम्बर, 2022 को 84.56 प्रतिशत रहा।

देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या तथा दूरसंचार घनत्व का रूझान

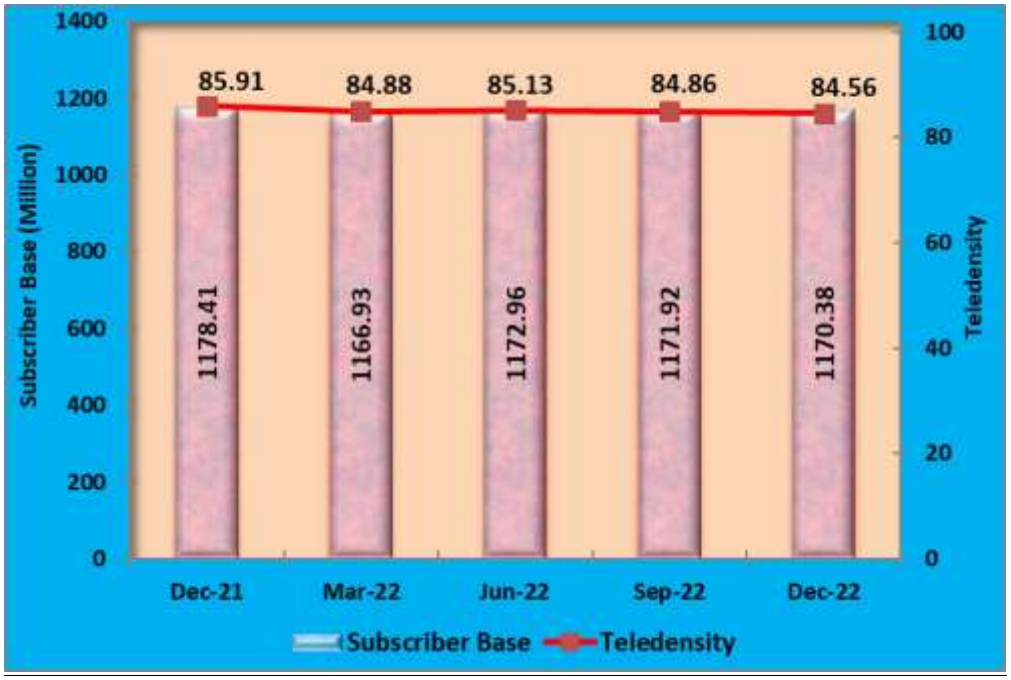

16. दिसम्बर, 2022 के अंत तक शहरी क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 652.39 म लयन हो गई जो क सतम्बर, 2022 के अंत में 651.61 म लयन थी हालां क इसी अव ध के दौरान शहरी दूरसंचार घनत्व 134.62 प्रतिशत से घटकर 134.16 प्रतिशत हो गया।

17. दिसम्बर, 2022 के अंत तक ग्रामीण क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या घटकर 517.99 म लयन हो गई जो क सतम्बर 2022 के अंत तक 520.30 म लयन थी और इसी अव ध के दौरान ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी 58.01 प्रतिशत से घटकर 57.69 प्रतिशत हो गया।

18. कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में से, ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी दिसम्बर, 2022 के अंत तक घटकर 44.26 प्रतिशत हो गई जो क सतम्बर, 2022 के अंत तक 44.40 प्रतिशत थी।

दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या का वतरण

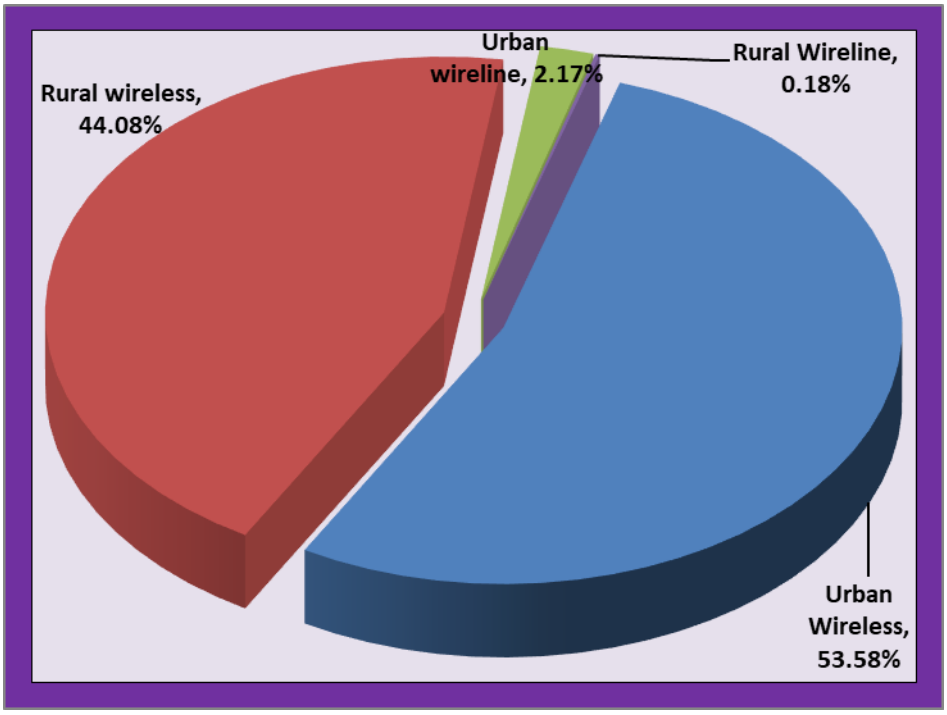

19. इस तिमाही के दौरान 2.52 म लयन वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्याओं में निबल कमी के साथ कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या दिसम्बर, 2022 के अंत तक घटकर 1,142.93 म लयन हो गई जो क सतम्बर, 2022 के अंत तक 1,145.45 म लयन थी, जिसमें पछली तिमाही की तुलना में 0.22 प्रतिशत की ह्रास दर दर्ज की गई। इसी दौरान व र्षक आधार पर वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में 1.01 प्रतिशत की ह्रास दर दर्ज की गयी।

20. वायरलेस दूरसंचार घनत्व 0.44 प्रतिशत की तिमाही ह्रास दर के साथ दिसम्बर, 2022 के अंत में घटकर 82.57 प्रतिशत हो गया जो क सतम्बर, 2022 के अंत में 82.94 प्रतिशत था।

21. इस इस तिमाही के दौरान, वायरलाइन सेवा प्रदाताओं द्वारा क्यूओएस बेंचमार्क के संदर्भ में निम्न ल खत मापदंडों का पूरी तरह से अनुपालन कया गया है: -

i. 'फॉल्ट रिपेयर' प्रति 100 उपभोक्ता/महीने में फॉल्ट की संख्या) ≤ 7

ii. प्वाइंट ऑफ इंटरकनेक्शन' (पीओआई) कंजेशन (बेंचमार्क को पूरा नहीं करने वाले पीओआई की संख्या) ≤ 0.5%

iii. 'मीटरिंग और बि लंग' मीटरिंग और बि लंग क्रे डबि लटी-पोस्ट-पेड ≤ 0.1%

iv. मीटरिंग और बि लंग क्रे डबि लटी - प्री-पेड ≤ 0.1%

v. 4 सप्ताह के भीतर बि लंग/चार्जिंग/क्रे डट और वैधता शकायतों का 98% समाधान

vi. 4 सप्ताह के भीतर बि लंग/चार्जिंग क्रे डट और वैधता शकायतों का 100% समाधान

vii. शकायत के समाधान के 1 सप्ताह के भीतर ग्राहक के 100% क्रे डट/छूट/समायोजन लागू करने की अव ध

viii. सहायता के लए ग्राहक को प्रति क्रया देने का समय 'कॉल सेंटर/ग्राहक सेवा की उपलब्धता >95%

ix. 90 सेकंड के भीतर ऑपरेटरों (वॉयस टू वॉइस) द्वारा उत्तर दिए गए कॉल का प्रतिशत >95%

22. वायरलाइन सेवा प्रदाताओं द्वारा क्यूओएस में पछली तिमाही की तुलना में निम्न ल खत मापदंडों में सुधार दिखाया गया है: -

i. दोष अगले कार्य दिवस तक ठीक कया गया (शहरी क्षेत्रों के लए) ≥ 85%

ii. कॉल सेंटर/ग्राहक सेवा की उपलब्धता ≥ 95%

iii. नब्बे सेकंड के भीतर ऑपरेटरों (वॉयस टू वॉइस) द्वारा उत्तर दिए गए कॉल का प्रतिशत ≥ 95%

iv. सेवा की समाप्ति/खत्म ≤ 7 दिन

23. वायरलाइन सेवा प्रदाताओं द्वारा क्यूओएस में पछली तिमाही की तुलना में निम्न ल खत मापदंडों में गरावट दर्ज की गई है: -

i. % फॉल्ट को 5 दिनों के भीतर ठीक कया गया (शहरी क्षेत्रों के लए) >100%

ii. % फाल्ट 7 दिनों के भीतर ठीक कया गया (ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों के लए) >100%

24. इस तिमाही के दौरान, सभी सेल्युलर मोबाइल सेवा प्रदाताओं द्वारा पछली तिमाही की तुलना में पूरी तरह से अनुपालन कए गए मापदंडों की सूची: -

i. बीएस सं चत डाउन-टाइम (सेवा के लए उपलब्ध नहीं) (%) ≤ 2%

ii. डाउन-टाइम (%) ≤ 2% के कारण सबसे बुरी तरह प्रभा वत बीएस

iii. स र्कट स्विच्ड वॉयस या वीओएलटीई के लए कॉल सेट-अप सफलता दर और सत्र स्थापना सफलता दर (लाइसेंसधारी के अपने नेटवर्क के भीतर) ≥ 95%

iv. एसडीसीसीएच / पेजिंग चैनल कंजेशन / आरआरसी कंजेशन (%) ≤ 1%

v. टीसीएच, आरएबी और ई-आरएबी कंजेशन (%) ≤ 2%

vi. नेटवर्क क्यूओएस डीसीआर अस्थायी वितरण उपाय [नेटवर्क_ क्यूटीडी (90,90)] ≤ 2%

vii. नेटवर्क क्यूओएस डीसीआर अस्थायी वतरण उपाय [नेटवर्क_ क्यूटीडी (97,90)] ≤ 3%

viii. अच्छी आवाज की गुणवत्ता, स र्कट स्विच्ड आवाज की गुणवत्ता और VoLTE गुणवत्ता के साथ कनेक्शन ≥ 95%

ix. डाउन लिंक (डीएल) पैकेट ड्रॉप दर या डीएल - पीडीआर ≤ 2%

x. अप लिंक (यूएल) पैकेट ड्रॉप दर या यूएल-पीडीआर ≤ 2%

xi. प्वाइंट ऑफ इंटरकनेक्शन (पीओआई) कंजेशन (बेंचमार्क को पूरा नहीं करने वाले पीओआई की संख्या) ≤ 0.5%

xii. मीटरिंग और बि लंग क्रे डबि लटी - पोस्टपेड ≤ 0.1%

xiii. मीटरिंग और बि लंग क्रे डबि लटी - प्रीपेड ≤ 0.1%

xiv. 4 सप्ताह के भीतर बि लंग/चार्जिंग/वैधता शकायतों का समाधान - 98%

xv. 6 सप्ताह के भीतर बि लंग/चार्जिंग/वैधता शकायतों का समाधान - 100%

xvi. शकायत के समाधान के 1 सप्ताह के भीतर समाधान की ति थ से ग्राहक के खाते में क्रे डट/छूट/समायोजन लागू करने की अव ध

xvii. कॉल सेंटर/ग्राहक सेवा की उपलब्धता ≥ 95%

xviii. समाप्ति/सेवा बंद करना <7 दिन

xix. सेवा बंद होने के बाद जमा की वापसी के लए लया गया समय (60 दिनों के भीतर 100%)

25. सेलुलर सेल्युलर मोबाइल सेवा प्रदाताओं द्वारा क्यूओएस में पछली तिमाही की तुलना में निम्न ल खत मापदंडों में सुधार दिखाया गया है: -

i. कॉल सेंटर/ग्राहक सेवा की उपलब्धता ≥ 95%

ii. नब्बे सेकंड के भीतर ऑपरेटरों (वॉयस टू वॉइस) द्वारा उत्तर दिए गए कॉल का प्रतिशत ≥ 95%

26. सूचना और प्रसारण मंत्रालय (MIB) द्वारा कुल लगभग 903 निजी उपग्रह टीवी चैनलों को केवल अप लं कंग/केवल डाउन लं कंग/अप लं कंग और डाउन लं कंग दोनों के लए अनुमति दी गई है।

27. संशो धत टैरिफ आदेश दिनांक 3 मार्च 2017 के अनुसरण में प्रसारकों द्वारा की गई रिपोर्टिंग के अनुसार, भारत में डाउन लं कंग के लए उपलब्ध 892 अनुमत सैटेलाइट

टीवी चैनलों में से, 31 दिसम्बर 2022 तक, 357 सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं। 357 पे चैनलों में, 254 एसडी सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं और 103 एचडी सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं।

28. वर्ष 2003 में अस्तित्व में आने के समय से भारतीय डीटीएच सेवा में लगातार वृद् ध दर्ज की गई है। देश में पे-डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या दिसम्बर 2022 के अंत में 4 थी।

29. देश में पे-डीटीएच के कुल औसत स क्रय उपभोक्ताओं की संख्या 31 दिसम्बर, 2022 को लगभग 66.62 म लयन हो गई है। यह संख्या दूरदर्षन के निःशुल्क डीटीएच सेवा के उपभोक्तओं की संख्या के अलावा है।

30. आल इं डया रे डयो-सार्वजनिक प्रसारक द्वारा प्रचा लत रे डयो स्टेशनों के अलावा, दिनांक 31 दिसम्बर, 2022 को 36 एफएम प्रसारकों के द्वारा उपलब्ध कराये गये आंकड़ों के अनुसार 113 शहरों में कुल 388 निजी एफएम रे डयो स्टेशन कार्य कर रहे थे।

31. प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, वज्ञापन से प्राप्त कुल आय 31 दिम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही में 388 निजी एफएम रे डयो स्टेशन के लए 427.18 करोड़ रूपये रही जो क 30 सतम्बर, 2022 को समाप्त तिमाही में 388 निजी एफएम रे डयो स्टेशन के लए 385.86 करोड़ रूपये थी।

32. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर 31 दिम्बर, 2022 को देश में कुल 408 सामुहिक रे डयो स्टेशन कार्यरत हैं।

मुख्य झल कयां

31 दिसम्बर, **2022** की स्थिति के अनुसार डाटा	
दूरसंचार उपभोक्ता (वायरलैस+वायरलाइन)	
कुल उपभोक्ता	1,170.38 म लयन
पछले तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	-0.13 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ता	652.39 म लयन
ग्रामीण उपभोक्ता	517.99 म लयन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	89.83 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	10.17 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	84.56 प्रतिशत
शहरी दूरसंचार घनत्व	134.16 प्रतिशत
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	57.69 प्रतिशत
वायरलैस उपभोक्ता	
कुल वायरलैस उपभोक्ता	1,142.93 म लयन
पछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	-0.22 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ता	627.03 म लयन
ग्रामीण उपभोक्ता	515.89 म लयन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	90.42 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	9.58 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	82.57 प्रतिशत
शहरी दूरसंचार घनत्व	128.94 प्रतिशत
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	57.46 प्रतिशत
तिमाही के दौरान वायरलेस डाटा यूसेज	40,512 पेगाबाईट
पब्लिक मोबाईल रे डयो ट्रंक सेवा (पीएमआरटीएस) की कुल संख्या	65,607
वीसैट की कुल संख्या	2,63,066
वायरलाइन उपभोक्ता	
कुल वायरलाइन उपभोक्ता	27.45 म लयन
पछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	3.72 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ता	25.35 म लयन
ग्रामीण उपभोक्ता	2.10 म लयन
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	34.65 प्रतिशत
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	65.35 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	1.98 प्रतिशत
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	0.23 प्रतिशत
शहरी दूरसंचार घनत्व	5.21 प्रतिशत
ग्रामीण पब्लिक टेलीफोन की संख्या (वीपीटी)	68,606
पब्लिक काल आ फसों की संख्या (पीसीओ)	50,188

दूरसंचार वत्तीय आंकडे	
तिमाही के दौरान सकल राजस्व (जीआर)	88,166 करोड़ रुपए
पछली तिमाही की तुलना में जीआर में प्रतिशत परिवर्तन	5.25 प्रतिशत
तिमाही के दौरान प्रयोज्य सकल राजस्व (एपीजीआर)	76,627 करोड़ रुपए
पछली तिमाही की तुलना में एपीजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	2.56 प्रतिशत
तिमाही के दौरान समायोजित सकल राजस्व (एजीआर)	62,904 करोड़ रुपए
पछली तिमाही की तुलना में एजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	1.49 प्रतिशत
एक्सेस एजीआर में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की हिस्सेदारी	4.26 प्रतिशत
इंटरनेट/ब्राडबैंड उपभोक्ता	
कुल इंटरनेट उपभोक्ता	865.90 म लयन
पछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	1.76 प्रतिशत
नैरोबैंड उपभोक्ता	33.70 म लयन
ब्राडबैंड उपभोक्ता	832.20 म लयन
वाययलाईन इंटरनेट उपभोक्ता	32.41 म लयन
वायरलैस इंटरनेट उपभोक्ता	833.49 म लयन
शहरी इंटरनेट उपभोक्ता	516.37 म लयन
ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ता	349.53 म लयन
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल इंटरनेट उपभोक्ता	62.56
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल शहरी इंटरनेट उपभोक्ता	106.19
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ता	38.93
सार्वजनिक वाई-फाई हॉटस्पॉट की संख्या	1,76,662
कुल खपत डेटा (जीबी)	1,40,24,519
प्रसारण और केबल सेवाएं	
केवल अप ल कंग/केवल डाऊन ल कंग/अप लं कंग एवं डाउन लं कंग दोनों के लये सूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ पंजीकृत निजी उपग्रह टेली वजन चैनलों की संख्या	903
प्रसारकों के द्वारा रिपोर्ट कये गये पे-टीवी चैनलों की संख्या	357
निजी एफएम रे डयो स्टेशनों की संख्या (आकाशवाणी के अलावा)	388
पे-डीटीएच सेवा प्रदाताओं के कुल स क्रय उपभोक्ताओं की संख्या	66.52 म लयन
चालू कम्यूनिटी रे डयो स्टेशनों की संख्या	408
पे-डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या	4
राजस्व और उपयोग मानदण्ड	
वायरलेस सेवा हेतु प्रति उपभोक्ता औसत मा सक आय (एआरपीयू) (जीएसएमए एलटीई सहित)	141.14 रुपए
वायरलेस सेवा के लए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग मनट (एमओयू) (जीएसएमए एलटीई सहित)	919 मनट
इंटरनेट टेलीफोनी हेतु कुल बहिर्गामी (आऊटगोईंग) उपयोग मनट	82.35 म लयन
मोबाइल उपभोक्ताओं के द्वारा डाटा उपयोग	
वायरलेस सेवा हेतु प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह औसत डाटा उपयोग	17.11 जीबी
तिमाही के दौरान वायरलेस सेवा के लए प्रति जीबी डाटा प्रयोग के लए औसत मूल्य	10.10 रुपए